

पता नहीं किस रूप में आकर शिव शंकर मिल जाएगा



पता नहीं किस रूप में आकर,
शिव शंकर मिल जाएगा,
निर्मल मन के दर्पण में,
भोलेनाथ का दर्शन पाएगा,
पता नहीं किस रूप में आकर,
शिव शंकर मिल जाएगा।bd।

[देखे – टॉप 10 शिव भजन लिरिक्स।](#)

झूठ कपट निंदा को त्यागो,
हर प्राणी से प्यार करो,
घर आए अतिथि कोई तो,
यथा शक्ति सत्कार करो,
शिव शंकर के सुमिरन से जो,
मन का मेल छुड़ाएगा,
निर्मल मन के दर्पण में,
भोलेनाथ का दर्शन पाएगा,
पता नहीं किस रूप में आकर,
शिव शंकर मिल जाएगा।bd।

नर शरीर अनमोल रे प्राणी,
शिव कृपा से पाया है,
झूठे जग प्रपंच में पड़कर,
क्यों शिव को बिसराया है,
समय हाथ से निकल गया तो,
सिर धुन धुन पछतायेगा,
निर्मल मन के दर्पण में,
भोलेनाथ का दर्शन पाएगा,
पता नहीं किस रूप में आकर,
शिव शंकर मिल जाएगा।bd।

दौलत का अभिमान है झूठा,
ये तो आनी जानी है,
राजा रंक अनेकों हुए,
कितनों की सुनी कहानी है,
शिव नाम का महामंत्र ही,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आपका मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



निर्मल मन के दर्पण में,
भोलेनाथ का दर्शन पाएगा,
पता नहीं किस रूप में आकर,
शिव शंकर मिल जाएगा।bd।

पता नहीं किस रूप में आकर,
शिव शंकर मिल जाएगा,
निर्मल मन के दर्पण में,
भोलेनाथ का दर्शन पाएगा,
पता नहीं किस रूप में आकर,
शिव शंकर मिल जाएगा।bd।

Singer – Upasana Mehta
